साम्प्रदायिक दंगे

636. **श्री बलराम सिंह यादव :**
डा. जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 19 दिसम्बर, 1990 के 'नवभारत' टाइम्स में "उत्तर प्रदेश के दंगों में बड़े राजनीतिक हाथ" शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने पिछले छः महीनों के दौरान देश में हुए सभी साम्प्रदायिक दंगों के बारे में विस्तृत जानकारी एकत्र की है ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार साम्प्रदायिक विष फैलाने के लिए जिम्मेदार तत्वों को उजागर करने के लिए भी और आवश्यक प्रशासनिक कदमों के बारे में कोई श्वेत पत्र जारी करने का विचार करती है ; और

(घ) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुबोध कान्त सहाय) : (क) जी हां श्रीमान् ।

(ख) केन्द्र सरकार संबंधित राज्य सरकार के साथ सम्पर्क बनाए हुए है।

(ग) तथा (घ) सरकार का मत है कि समाज विरोधी तथा राष्ट्र विरोधी तत्वों के कारण साम्प्रदायिक दंगे होते हैं । सरकार देश में साम्प्रदायिक शांति को भंग करने के लिए उनके नापाक इरादों को असफल बनाने के लिए वचनबद्ध है।

सरकार का इस मामले पर श्वेत पत्र जारी करने का प्रस्ताव नहीं है।

Panthic Committee's Code of Conduct for journalists in Punjab

637. SHRI N. E. BALARAM:
SHRI CHATURANAN MISHRA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the decree of a Code of Conduct for journalists published by the five-member Panthic Committee headed by Dr. Sohan Singh, the violation of which would invite retribution;

(b) if so, the details thereof and Government's reaction thereto; and

(c) what steps are being taken to protect journalists and newspapers in Punjab?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI SUBODH KANT SAHAY): (a) to (c) The Government have seen press reports about a 'code of Conduct' set down by the Panthic Committee (Dr. Sohan Singh) warning media persons *inter-alia* not to use the word 'terrorists' and to refer to all those 'struggling for Khalistan', as 'Khalistan freedom fighters or Khalistani Mujahadeen' Government would not be cowed down by such dictats. Adequate protection is being given to the media including some of the reporters and the arrangements are constantly under review.

Change in approach to Eighth Five Year Plan

638. SHRI N. E. BALARAM:
SHRI CHATURANAN MISHRA:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government propose to change the priorities chalked out by the earlier Government in the Approach to the Eighth Five Year Plan;

(b) if so, the details thereof; and